



Registration Details

(संगोष्ठी में प्रतिभागिता के लिए पंजीयन सहयोग राशि)

Heads	Fees before 15 Dec.	Fees after 16 Dec.
शिक्षाविद्/ प्रोफेशनल्स	Rs. 1500/-	Rs. 2000/-
शोधार्थी	Rs. 1200/-	Rs. 1500/-
शोधार्थी, म.गां.अं.हि.वि.वि. वर्धा	Rs. 1000/-	Rs. 1500/-
स्नातकोत्तर छात्र, म.गां.अं.हि.वि.वि. वर्धा	Rs. 700/-	Rs. 1000/-
विदेशियों के लिए	Rs. 4000/-	Rs. 5000/-

संगोष्ठी से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियाँ

शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि - 25 नवम्बर, 2015
 शोध सारांश स्वीकार होने की सूचना - 30 नवम्बर, 2015
 प्रतिभागिता के पंजीयन कराने की अंतिम तिथि- 15 दिसम्बर, 2015
 पूर्ण शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि- 20 दिसम्बर, 2015

शोध पत्र सारांश/पूर्ण शोध पत्र भेजने के लिए ई-मेल

mediaseminar2016@gmail.com

संपर्क सूत्र

कार्यालय - 07152-251170

संगोष्ठी संयोजक - 09673797844

(कार्यालयीन दिवस में प्रातः 10 से संध्या 5 बजे के मध्य संपर्क करें)

राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी के उपविषय हैं-

1. आध्यात्मिकता और मीडिया
2. विश्व बाजार और मीडिया
3. बाजारवाद और भारतीय पत्रकारीय मूल्य
4. सामाजिक सभ्यतागत बदलाव और मीडिया
5. मीडिया और सामाजिक सरोकार के मुद्दे
6. संत परम्परा और मीडिया
7. सामाजिक परिवर्तन और संचार माध्यम
8. युवा, लोकतंत्र और मीडिया
9. वैकल्पिक पत्रकारिता और सामाजिक सरोकार
10. मीडिया का राजनीतिक अर्थशास्त्र
11. आध्यात्मिक मीडिया और सामाजिक परिवर्तन
12. संस्कृति, सभ्यता, मूल्य और मीडिया

संगोष्ठी के अन्य आयाम

1. चाय पर चर्चा
2. मीडिया के नामचीन चेहरों के साथ परिचर्चा
3. सांस्कृतिक संध्या
4. वर्धा दर्शन

संगोष्ठी में प्रतिभागिता के लिए सहयोग राशि भेजने के लिए

बैंक का नाम	BANK OF INDIA
शाखा	HINDI VISHWAVIDYALAYA GANDHI HILL WARDHA MAHARASHTRA 442001
खाताधारक का नाम	FINANCE OFFICER MGAHV WARDHA
खाता संख्या	972110210000005
IFSC CODE	BKID0009721



राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी

(ICPR, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित)

आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव

(18, 19, 20 जनवरी 2016)

सलाहकार समिति

प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, म.गां.अं.हि.वि.वि., वर्धा
 प्रो. चितरंजन मिश्र, प्रति कुलपति, म.गां.अं.हि.वि.वि., वर्धा
 प्रो. मनोज कुमार, अधिष्ठाता मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
 प्रो. अनिल कुमार राय, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
 डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, कुलसचिव

आयोजन समिति

संगोष्ठी निदेशक : प्रो. अनिल कुमार राय
 निदेशक, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
 संगोष्ठी संयोजक : डॉ. अख्तर आलम, असिस्टेंट प्रोफेसर
 संगोष्ठी सदस्य : श्री राजेश लेहकपुरे, असिस्टेंट प्रोफेसर
 डॉ. निशीथ राय, असिस्टेंट प्रोफेसर
 डॉ. मिथिलेश तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर
 श्री के. के. त्रिपाठी, परीक्षा प्रभारी
 श्री वी. एस. मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी

आयोजक



संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
 महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविधालय, वर्धा, महाराष्ट्र- 442001



संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र

आमंत्रण

सभी शिक्षाविदों, अकादमिक, शोधार्थियों, विद्यार्थियों व समाज सेवियों से उपरोक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय/उप विषय पर शोध पत्र/लेख आमंत्रित किये जाते हैं – शोध/लेखसार अधिकतम 250 शब्दों में तथा पूर्ण शोध पत्र/लेख 2500 शब्दों में, हिंदी के कृतिदेव/16 फॉन्ट में होना चाहिए। Research Papers/ articles on the above theme/sub-themes are invited from the educationists, academicians, researchers, scholars, students and those engaged in social service. The abstract of research paper/article should consist of maximum 250 words and the full paper/article should be covered within 2500 words in Hindi Krutidev /16 font size.



राष्ट्रीय मीडिया संगोष्ठी
(ICPR, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित)

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
Centre for Communication & Media Studies
आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव
(18, 19, 20 जनवरी, 2016)



संगोष्ठी की अवधारणा

मीडिया जहाँ एक तरफ दायित्वपूर्ण कर्तव्य है तो वहीं दूसरी ओर यह एक व्यवसाय भी है। आदर्श मीडिया अपने सामाजिक मूल्यों के साथ व्यावसायिक उद्देश्यों की पूर्ति करता है। मीडिया से जुड़ा व्यक्ति अपने व्यावसायिक हितों की अपेक्षा कर्तव्य को तरजीह देता है। हर समय-समाज में सामाजिक मूल्य प्रासंगिक रहे हैं। मूल्य व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं। कोई व्यक्ति समाज में कितनी आसानी से सामंजस्य स्थापित कर पाएगा, यह इस बात पर निर्भर है कि उसके व्यक्तित्व में मूल्यों का प्रवेश कितना व्यवस्थित रहा है। समाज को जीवित रखने के लिए व्यक्तित्व-निर्माण में सहायक सर्वोच्च मूल्यों को पोषित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। ऐसे समय में जब मूल्यों का ह्रास हो रहा है तब मीडिया की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह मूल्यों को पुनः स्थापित करे। मीडिया सामाजिक बदलाव का संवाहक है। आवश्यकता है तो इसे आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने की। लगभग सभी धर्म हमें सही और गलत का बोध करने की शिक्षा देते हैं। सभी धर्मों के आध्यात्मिक गुणों को शिक्षा व्यवस्था में समाहित करना वर्तमान समय की जरूरत है। वैश्विक स्तर पर आज अनेक शोध एवं अन्वेषण कार्य चल रहे हैं ताकि मनुष्य एवं प्रकृति के सहसंबंधों को समझने एवं सुदृढ़ करने में मदद मिले। शोधकर्ताओं से प्राप्त ज्ञान का उपयोग कर समरसता आधारित सामाजिक विकास की नींव रखी जा सकती है। मूल्य आधारित संसाधनों के उपयोग से मानवीय जीवन के आदर्श लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य प्रौद्योगिकीविदों, सामाजिक चिंतकों, अकादमिकविदों एवं भाषाविदों को मीडिया और सामाजिक क्षेत्र में हो रहे नवीन अनुसंधान एवं विकास से आमजन को अवगत कराने के लिए सार्थक मंच प्रदान करना है।

उद्देश्य

मीडिया लोकतंत्र का स्वर है। मीडिया की मुखरता, उसे उपलब्ध आर्थिक संसाधनों पर निर्भर होती है। मीडिया के लिए आर्थिक संसाधन मुख्यतः मुनाफे हेतु स्थापित उद्योगों से ही प्राप्त होता है। ऐसे में आज मीडिया पूंजीवादी हित और जनहित के मध्य की एक कड़ी के समान है। पूंजीवादी हित और जनहित के स्वरूप में आधारभूत अंतर हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में वर्तमान मीडिया के लिए एक समन्वयकारी कार्यविधि की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस कार्यविधि के आधार पर पूंजीवादी हित और जनहित के मध्य सामंजस्य स्थापित कर लोकतंत्र को सबलता प्रदान की जा सकती है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य मीडिया एवं समाज की मौजूदा समस्याओं को संबोधित करना है।

अकादमिक महत्त्व

मीडिया के उद्योग में परिणत हो जाने के बाद मीडिया जगत में प्रशिक्षित पत्रकारों की मांग बढ़ी है, फलतः बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालयों में मीडिया शिक्षण प्राप्त करने हेतु आने लगे हैं। प्रबंधन, जनसंपर्क, विज्ञापन, ग्राफिक एनीमेशन, वेब आदि क्षेत्रों में दक्ष छात्रों की मांग मीडिया व्यवसाय में लगातार बढ़ती जा रही है। इन विषयों की व्यावहारिक जानकारी के लिए विषय विशेषज्ञों से अकादमिक जगत का संपर्क छात्रहित हेतु आवश्यक है। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सत्रों में सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों को विषय विशेषज्ञों से मीडिया के अकादमिक एवं व्यावसायिक दोनों पक्षों को जानने समझने में मदद मिलेगी।

पंजीकरण फॉर्म

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र, म. गां. अं. हि. वि. वि., वर्धा
आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव
18, 19, 20 जनवरी 2016

नाम:
पद:
संस्थान:
पता:
मोबाइल:
ई-मेल:
शोध पत्र का शीर्षक:
शोध पत्र का थीम:
पंजीयन शुल्क का विवरण:
D.D. No.
आवास की व्यवस्था चाहिए: हाँ ☐ नहीं ☐
आगमन की तिथि व समय:
प्रस्थान की तिथि व समय:
स्थान:
दिनांक:

हस्ताक्षर

नोट:

- आवेदन कर्ता mediaseminar2016@gmail.com ई मेल पते पर अपना पंजीयन फॉर्म और DD साथ में भेजें, यदि पंजीयन शुल्क ऑनलाइन लाइन जमा किया गया है तो जमा रसीद की स्कैन कॉपी भी भेजें।
- आंतरिक प्रतिभागी और बाह्य प्रतिभागी अपना पंजीयन 15 दिसंबर 2015 तक अवश्य करा लें।
- चयनित प्रतिभागियों के ठहरने व भोजन इत्यादि की व्यवस्था निशुल्क की जायेगी। किसी भी प्रतिभागी को यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। आवेदन फॉर्म की छाया प्रति भी स्वीकार की जाएगी।

आवश्यक निर्देश

- लेख प्रस्तुति का माध्यम हिंदी/अंग्रेजी रहेगा। संदर्भ लेखन हेतु APA फॉर्मेट का पालन करें।
- स्वीकृत लेखों को शोध पुस्तक ISSN/ISBN के साथ प्रकाशित किए जाने की योजना है।
- पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। प्रतिभागी अपना पंजीयन डाक द्वारा या ऑनलाइन कर सकते हैं।
- उप शीर्षक के साथ अपने शोध लेख को प्रेषित करें।